एक रिकॉर्ड, दो अनुमान: फसल उत्पादन के आँकड़े कैसे पढ़ें?

समाचार संदर्भ: 26 नवंबर 2026

मुख्य परीक्षा (सामान्य अध्ययन पत्र-III): भारतीय अर्थव्यवस्था, कृषि, खाद्य सुरक्षा और फसल उत्पादन अनुमान

प्रिलिम्स: भारतीय अर्थव्यवस्था, कृषि क्षेत्र के प्रमुख आँकड़े, उत्पादन अनुमानों की प्रक्रिया



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

खबरों में क्यों

26 नवंबर 2026 को केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रमुख कृषि फसलों के **2025-26 के अंतिम उत्पादन अनुमान** और **2026-27 के खरीफ सीज़न के पहले अग्रिम अनुमान** जारी किए। इस जारी की गई एक ही प्रेस विज्ञप्ति में दो अलग-अलग तरह के आँकड़े हैं, एक पूरे बीते कृषि वर्ष का पक्का हिसाब, दूसरा चल रहे खरीफ सीज़न का प्रारंभिक अंदाज़ा। दोनों को एक ही तराजू पर तौलना परीक्षा में सबसे आम गलती है, इसलिए यह घोषणा प्रिलिम्स और मुख्य परीक्षा दोनों के लिए महत्वपूर्ण है।

2025-26 में देश का खाद्यान्न उत्पादन **3785.38 लाख टन** के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुँचा, जो 2024-25 के 3577.32 लाख टन से **208.06 लाख टन अधिक** है। वहीं **खरीफ 2026-27** में खाद्यान्न उत्पादन **1671.43 लाख मीट्रिक टन** रहने का अनुमान है, यह बीते **पाँच वर्षों के खरीफ औसत उत्पादन से 97.67 लाख टन अधिक** है।

उत्पादन अनुमान क्या होते हैं

अग्रिम अनुमान (Advance Estimates): फसल की कटाई से पहले उत्पादन का प्रारंभिक अंदाज़ा। पहला अग्रिम अनुमान प्रारंभिक होता है; कटाई के समय **क्रॉप कटिंग एक्सपेरिमेंट (CCE)**: चुने हुए खेतों के छोटे भाग की फसल काटकर वास्तविक उपज नापने की वैज्ञानिक प्रक्रिया, से मिले आँकड़ों के बाद दूसरे और अंतिम अनुमानों में इसका संशोधन होता है।
अंतिम अनुमान (Final Estimates): पूरे कृषि वर्ष के उपलब्ध वास्तविक आँकड़ों के आधार पर तय किया गया पक्का उत्पादन आँकड़ा।
कैसे बनते हैं अनुमान: राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से मिली जानकारी, **रिमोट सेंसिंग** (उपग्रह से फसल की निगरानी), साप्ताहिक बैठक करने वाला **फसल-मौसम निगरानी दल (Crop Weather Watch Group - CWWG)**, **डिजिटल क्रॉप सर्वे** और **डिजिटल जनरल क्रॉप एस्टीमेशन सर्वे** के आधार पर, उद्योग के प्रतिनिधियों से परामर्श के साथ अनुमान तैयार होते हैं। जारी करने से पहले आँकड़ों की **तीन-स्तरीय जाँच और त्रिकोणीय मिलान (triangulation)** की जाती है।

2025-26: अंतिम अनुमानों में रिकॉर्ड

अंतिम अनुमानों के अनुसार 2025-26 में खाद्यान्न, दलहन और तिलहन, तीनों में उत्पादन के नए रिकॉर्ड बने।

प्रमुख आँकड़े (लाख टन में):

फसल	2024-25	2025-26 (अंतिम)	बदलाव
खाद्यान्न (कुल)	3577.32	3785.38	+208.06
चावल	1501.84	1551.54 (रिकॉर्ड)	+49.70
गेहूँ	1179.45	1220.64 (रिकॉर्ड)	+41.19
मक्का	434.09	550.25	+116.16
दलहन (कुल)	256.83	272.40	+15.57
तिलहन (कुल)	429.89	432.55 (रिकॉर्ड)	+2.66
मूंगफली	119.42	131.71 (रिकॉर्ड)	+12.29
सरसों	126.67	137.66 (रिकॉर्ड)	+10.99

अन्य प्रमुख बिंदु:

- **पोषक एवं मोटे अनाज (न्यूट्री-सीरियल्स):** कुल उत्पादन **740.80 लाख टन** रहा, जिसमें **'श्री अन्न' (मिलेट्स, ज्वार, बाजरा, रागी आदि पोषक अनाज)** का योगदान **172.09 लाख टन** रहा।
- **दलहनों में:** मूंग ने **43.96 लाख टन** का नया रिकॉर्ड बनाया; चना **125.13 लाख टन** और अरहर (तूर) **35.99 लाख टन** रहा।
- **सोयाबीन: 126.36 लाख टन**।
- **गन्ना: 5037.29 लाख टन**।
- **कपास: 280.06 लाख गांठ** (प्रत्येक गांठ 170 किग्रा की)।
- **जूट-मेस्ता: 94.28 लाख गांठ** (प्रत्येक गांठ 180 किग्रा की)। ध्यान दें, कपास और जूट-मेस्ता का उत्पादन टन में नहीं, **गांठों (bales)** में मापा जाता है।

खरीफ 2026-27: पहला अग्रिम अनुमान

कुल खाद्यान्न: 1671.43 लाख मीट्रिक टन अनुमानित, बीते पाँच वर्षों के खरीफ औसत उत्पादन से **97.67 लाख टन अधिक**।

प्रमुख फसलें (लाख टन में, अनुमानित):

फसल	पहला अग्रिम अनुमान
धान	1219.05
पोषक एवं मोटे अनाज (कुल)	381.05
- मक्का	260.64
- बाजरा	89.43
- ज्वार	14.79
- रागी	12.48
- छोटे मिलेट्स	3.71
दलहन (कुल)	71.32
- तूर	31.22
- मूंग	16.59

pcsmantra.com

- उड़द	14.49
- अन्य दलहन	9.02
तिलहन (कुल)	239.47
- मूंगफली	111.68
- सोयाबीन	102.44
- अरंडी	18.97
- तिल	4.91
- सूरजमुखी	1.17
- रामतिल	0.30
गन्ना	4543.39
कपास	248.66 लाख गांठ (170 किग्रा प्रत्येक)
जूट-मेस्ता	97.06 लाख गांठ (180 किग्रा प्रत्येक)

मुश्किल मौसम, मज़बूत प्रदर्शन

इस वर्ष खरीफ बुवाई कई मौसमी चुनौतियों से गुज़री:

- **एल नीनो की वापसी**: प्रशांत महासागर के भूमध्यरेखीय जल के असामान्य गर्म होने से जुड़ी वह जलवायु घटना, जो भारतीय मानसून को कमजोर कर सकती है।
- जून में **मानसून में देरी** और **सामान्य से 35 से 40 प्रतिशत कम वर्षा**।
- **महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश** जैसे प्रमुख कृषि राज्यों में मिट्टी की नमी कम और सूखे जैसे हालात, जिनसे **धान, मक्का, तूर, सोयाबीन और कपास** की बुवाई प्रभावित हुई।

इन परिस्थितियों के बावजूद उत्पादन का औसत से ऊपर रहने का अनुमान किसानों के लचीलेपन, सरकारी योजनाओं के समर्थन और वैज्ञानिकों द्वारा विकसित **जलवायु-लचीली (climate-resilient) किस्मों** का परिणाम बताया गया है।

दुनिया में भारत की स्थिति

प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार वैश्विक उत्पादन में भारत की रैंकिंग इस प्रकार है:

- **पहला स्थान:** चावल, दलहन, जूट, मिलेट्स और मसाले।
- **दूसरा स्थान:** गेहूँ, कपास, मूंगफली, फल और सब्ज़ियाँ (चीन के बाद) तथा गन्ना (ब्राज़ील के बाद)।
- **निर्यात:** चावल के निर्यात में **5 प्रतिशत की वृद्धि** दर्ज हुई; भारतीय बासमती अमेरिका, कनाडा और मध्यपूर्व के देशों तक पहुँच रही है। चावल और गेहूँ दोनों के पर्याप्त भंडार हैं।

दिशा: दलहन-तिलहन में आत्मनिर्भरता

चावल और गेहूँ में पर्याप्त स्थिति हासिल होने के बाद सरकार का फोकस अब **फसल विविधीकरण** और **दलहन व तिलहन में आत्मनिर्भरता** पर है। घरेलू माँग बढ़ती जा रही है और आयात-निर्भरता घटाने के लिए **राष्ट्रीय दलहन मिशन** और **राष्ट्रीय तिलहन मिशन** के माध्यम से मिशन-मोड में काम हो रहा है। अंतिम आँकड़ों में मूंग, सरसों और मूंगफली के रिकॉर्ड इन्हीं प्रयासों का प्रारंभिक असर बताए गए हैं।

आँकड़ों को पढ़ने का सही तरीका

परीक्षा में इन आँकड़ों से जुड़े प्रश्नों में तीन गलतियाँ सबसे ज़्यादा होती हैं:

- **अंतिम बनाम पहला अग्रिम अनुमान:** 2025-26 का अंतिम आँकड़ा (3785.38 लाख टन) **पूरे कृषि वर्ष**: खरीफ, रबी और ज़ायद तीनों सीज़न, का पक्का उत्पादन है, जबकि 1671.43 लाख टन **केवल खरीफ 2026-27** का पहला, प्रारंभिक अनुमान है। दोनों का दायरा अलग है, इसलिए इनकी सीधी तुलना 'पिछले वर्ष से कम या ज़्यादा' के रूप में करना गलत होगा।
- **औसत बनाम पिछला वर्ष:** 'पिछले पाँच वर्षों के औसत से 97.67 लाख टन अधिक' का अर्थ यह **नहीं** है कि उत्पादन पिछले वर्ष से इतना अधिक है। औसत से तुलना दीर्घकालिक प्रवृत्ति (trend) दिखाती है, वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि नहीं।
- **अनुमान बनाम वास्तविक कटाई:** पहला अग्रिम अनुमान कटाई का पक्का परिणाम नहीं है। क्रॉप कटिंग एक्सपेरिमेंट से वास्तविक उपज के आँकड़े आने पर दूसरे और अंतिम अनुमानों में यह बदल सकता है।
- **इकाइयों का ध्यान:** कपास और जूट-मेस्ता गांठों में, शेष फसलें टन में मापी जाती हैं, प्रश्नों में यही इकाई पकड़ बनाती है।

आगे की राह

खरीफ कटाई के बाद क्रॉप कटिंग एक्सपेरिमेंट के आँकड़े आएँगे और पहले अग्रिम अनुमान का संशोधन दूसरे और फिर अंतिम अनुमानों में होगा। साथ ही राष्ट्रीय दलहन मिशन और राष्ट्रीय तिलहन मिशन की प्रगति, जलवायु-लचीली किस्मों के विस्तार और फसल विविधीकरण यह तय करेंगे कि 2025-26 के रिकॉर्ड एक बार की घटना रहते हैं या स्थायी प्रवृत्ति बनते हैं।

संबंधित लेख

चावल उत्पादन और निर्यात से जुड़ा अपना विस्तृत लेख पढ़ें: **भारत की चावल अर्थव्यवस्था: निर्यात, आभासी जल और भूजल का संतुलन**

दलहन उत्पादन और आत्मनिर्भरता से जुड़ा अपना विस्तृत लेख पढ़ें: **दालों की महंगाई: तुर का उत्पादन संकट और चने की भंडार पहेली**

प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1. 2025-26 के अंतिम फसल उत्पादन अनुमानों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन-I: 2025-26 में भारत का कुल खाद्यान्न उत्पादन 3785.38 लाख टन रहा, जो 2024-25 के उत्पादन से 208.06 लाख टन अधिक था

कथन-II: 2025-26 में दलहन उत्पादन घटकर 256.83 लाख टन रह गया

(a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II, कथन-I की सही व्याख्या करता है

(b) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं, परंतु कथन-II, कथन-I की सही व्याख्या नहीं करता है

(c) कथन-I सही है, परंतु कथन-II गलत है ✓

(d) कथन-I गलत है, परंतु कथन-II सही है

उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (c)

कथन-I सही है: 2025-26 में खाद्यान्न उत्पादन 3785.38 लाख टन रहा, जो 2024-25 के 3577.32 लाख टन से 208.06 लाख टन अधिक है।

कथन-II गलत है: दलहन उत्पादन घटा नहीं, बल्कि 2024-25 के 256.83 लाख टन से बढ़कर 272.40 लाख टन हुआ; 256.83 लाख टन 2024-25 का आँकड़ा है।

प्रश्न 2. खरीफ 2026-27 के पहले अग्रिम अनुमानों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन 1: खरीफ खाद्यान्न उत्पादन 1671.43 लाख मीट्रिक टन अनुमानित है, जो बीते पाँच वर्षों के खरीफ औसत उत्पादन से अधिक है

कथन 2: खरीफ धान उत्पादन 1219.05 लाख टन अनुमानित है

कथन 3: कपास उत्पादन 248.66 लाख टन अनुमानित है

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो ✓

(c) तीनों

(d) कोई भी नहीं

उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (b)

कथन 1 सही है: खरीफ खाद्यान्न उत्पादन 1671.43 लाख मीट्रिक टन अनुमानित है, जो बीते पाँच वर्षों के खरीफ औसत से 97.67 लाख टन अधिक है।

कथन 2 सही है: खरीफ धान उत्पादन 1219.05 लाख टन अनुमानित है।

कथन 3 गलत है: कपास उत्पादन टन में नहीं, गांठों में अनुमानित है, 248.66 लाख गांठ, प्रत्येक 170 किग्रा की।

मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

फसल उत्पादन के अग्रिम अनुमान और अंतिम अनुमान में अंतर स्पष्ट कीजिए। प्रतिकूल जलवायु परिस्थितियों के बावजूद खरीफ 2026-27 का पहला अग्रिम अनुमान भारतीय कृषि के लचीलेपन के बारे में क्या संकेत देता है? (250 शब्द, 15 अंक)

उत्तर की रूपरेखा

भूमिका में

- 26 नवंबर 2026 को जारी 2025-26 के अंतिम अनुमान और खरीफ 2026-27 के पहले अग्रिम अनुमान का संदर्भ दीजिए।

मुख्य भाग में

- अंतर लिखिए: अग्रिम अनुमान कटाई से पहले का प्रारंभिक अंदाज़ा, जो CCE के वास्तविक उपज आँकड़ों के बाद दूसरे और अंतिम अनुमानों में संशोधित होता है; अंतिम अनुमान पूरे कृषि वर्ष के पक्के आँकड़े।
- खरीफ 2026-27 के प्रमुख आँकड़े: खाद्यान्न 1671.43 लाख मीट्रिक टन, पाँच-वर्षीय खरीफ औसत से 97.67 लाख टन अधिक; इस तुलना का सही अर्थ स्पष्ट कीजिए।
- लचीलेपन के संकेत: एल नीनो, मानसून में देरी, 35-40 प्रतिशत कम वर्षा और कई राज्यों में सूखे जैसे हालात के बावजूद उत्पादन; जलवायु-लचीली किस्मों और सरकारी योजनाओं की भूमिका।
- सीमाएँ भी लिखिए: पहला अनुमान प्रारंभिक है; पूर्ण तस्वीर अंतिम अनुमानों के बाद ही बनेगी।

निष्कर्ष में

- आँकड़ों के संतुलित विश्लेषण और दलहन-तिलहन में आत्मनिर्भरता की दिशा पर टिप्पणी के साथ समापन कीजिए।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQ)

1. क्या पहले अग्रिम अनुमान ही फसल उत्पादन के अंतिम आँकड़े होते हैं?

नहीं। पहला अग्रिम अनुमान प्रारंभिक अंदाज़ा होता है। कटाई के समय क्रॉप कटिंग एक्सपेरिमेंट से वास्तविक उपज के आँकड़े मिलने के बाद दूसरे और अंतिम अनुमानों में इनका संशोधन होता है।

2. कपास और जूट का उत्पादन टन में क्यों नहीं मापा जाता?

कृषि सांख्यिकी में कपास का उत्पादन 170 किग्रा की और जूट-मेस्ता का 180 किग्रा की गांठों (bales) में मापा जाता है, इसलिए इनके आँकड़े लाख गांठों में जारी होते हैं।

3. 'पिछले पाँच वर्षों के औसत से अधिक' कहने का क्या अर्थ है?

इसका अर्थ है कि अनुमानित उत्पादन बीते पाँच वर्षों के औसत खरीफ उत्पादन से ज़्यादा है, यह किसी एक पिछले वर्ष से तुलना नहीं है। औसत से तुलना लंबी अवधि की प्रवृत्ति दिखाती है, न कि वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि।

स्रोत

1. प्रेस सूचना ब्यूरो, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार (26 नवंबर 2026), 2025-26 के अंतिम उत्पादन अनुमान और खरीफ 2026-27 के पहले अग्रिम अनुमान: https://www.pib.gov.in/PressReleseDetailm.aspx?PRID=2342093&lang=2&reg=48

2. अर्थशास्त्र एवं सांख्यिकी निदेशालय, कृषि और किसान कल्याण विभाग, भारत सरकार, अग्रिम अनुमान: https://desagri.gov.in/statistics-type/advance-estimates/

pcsmantra.com